मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 146, मुंबई, सोमवार, 26 जुलाई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल ®

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

ड्रग्स केस में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी के भतीजे को एनसीबी ने भेजा समन

27 जुलाई को एजेंसी के सामने पेश होने को कहा गया

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह की मौत के बाद से ही एनसीबी बॉलीवुड समेत देश के कई हिस्सों में ड्रग्स तस्करी को रोकने के लिए कर रही है कार्रवाई

संवाददाता

मुंबई। ड्रग्स केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में एनसीबी की मुंबई इकाई ने समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी के भतीजे अबू असलम आजमी को समन भेजा है। अबू असलम आजमी को ड्रग मामले में तलब किया है। उन्हें 27 जुलाई को एजेंसी के सामने पेश होने को कहा गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

4 साल पहले भी हुई थी गिरफ्तारी

इससे पहले 4 साल पहले यानि 2017 में, अबू असलम आजमी को मादक पदार्थों की तस्करी में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया था। असलम आजमी और उसके एक साथी पर इंटरनैशनल रैकेट के इंडिया ऑपरेशन के इन-चार्ज होने आरोप लगे थे।

एनसीबी ने चरस, मेफेड्रोन और 17.5 लाख रुपये किए जब्त

तीन गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने यहां उपनगर जोगेश्वरी से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से करीब एक किलोग्राम चरस, कुछ मात्रा में मेफेड्रोन दवा और 17 लाख रुपये से अधिक की नकदी जब्त की है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि एक विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। अधिकारी ने बताया, गुप्त सूचना के आधार पर, एनसीबी की एक टीम जोगेश्वरी में निगरानी रख रही थी और शनिवार तथा रविवार की दरमियानी रात को अलग अलग स्थानों से तीन लोगों को पकड़ा, जिनकी पहचान समीर मुख्तार सैयद उर्फ सैम लंगड़ा, जाकिर सैयद उर्फ जाकिर टकला उर्फ जाकिर चिकना और अहमद शम्सुद्दीन शेख के रूप में हुई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

नालासोपारा में सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में ट्रांसजेंडर गिरफ्तार

4 महिलाओं को छुड़ाया गया

संवाददाता

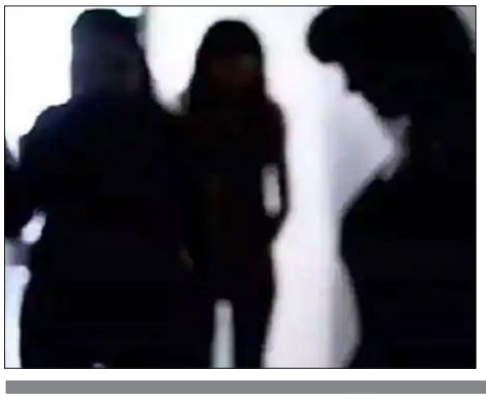

मुंबई। मीरा भायंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने शनिवार को नालासोपारा में एक वेश्यावृत्ति रैकेट चलाने में कथित संलिप्तता के आरोप में एक महिला और एक 48 वर्षीय ट्रांसजेंडर सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया था। जबरन वेश्यावृत्ति में धकेली गई चार महिलाओं को भी पुलिस टीम ने रैकेटियों के चंगुल से छुड़ाया। अनैतिक गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद वालिव थाने से एक टीम ने दलालों के साथ सौदा करने के लिए एक नकली ग्राहक को नियुक्त किया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

वर्ली में लकड़ी और बांस से बनी लिफ्ट 19वें फ्लोर से टूटकर गिरी

6 मजदूरों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी बारिश के कहर के बीच मुंबई के वर्ली इलाके में एक अंडर कंस्ट्रक्शन लिफ्ट 19वें फ्लोर से गिर पड़ी। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है, जबकि 1 की हालत गंभीर है। उन्हें मुंबई के केईएम हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। बताया जा रहा है कि यह लिफ्ट लकड़ी और बांस की बनी थी और इसका इस्तेमाल मजदूरों को 20 मंजिला कंस्ट्रक्शन फ्लोर तक ले जाने के लिए किया जाता था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बारिश से तबाही

महाराष्ट्र में भारी बारिश का कहर न केवल दुखद, बल्कि बहुत चिंताजनक है। रायगढ़ जिले के महाड गांव में भूस्खलन से अनेक लोगों की मौत की आशंका है। हादसा इतना बड़ा था कि शुरूआती हालात से ही अंदाजा लग गया कि चट्टान खिसकने की इस घटना में मरने वालों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। महाराष्ट्र के अनेक इलाकों में बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं और सेना से मदद लेने की भी जरूरत पड़ रही है। भूस्खलन और मकान गिरने की घटनाओं की सूचना लगातार आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के रायगढ़ में भूस्खलन के कारण जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। हादसा इतना बड़ा है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बात की और राज्य को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। स्वाभाविक ही एनडीआरएफ की टीमें मुंबई से करीब 160 किलोमीटर दूर महाड पहुंच गई हैं और नुकसान रोकने की कोशिश जारी है। स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार और केंद्र सरकार को मिल-जुलकर कोशिश करनी चाहिए कि ऐसे हादसों को पुनरावृत्ति न हो। बताते हैं कि यह बस्ती पहाड़ी पर बसी थी और पहाड़ी ही भूस्खलन का शिकार हुई है, जिससे करीब 25-30 घर चपेट में आ गए। ऐसी जितनी भी बस्तियां देश में हैं, उनको एक बार परख लेना चाहिए। प्रशासन की अनदेखी की वजह से जगह-जगह पहाड़ों पर वैध-अवैध बस्तियां बसती चली जा रही हैं, इन्हें रोकने के लिए पर्याप्त कानून हैं, तो फिर हादसों का इंतजार क्यों? यह जो हादसा हुआ है, इसे केवल प्राकृतिक मानकर नहीं भुलाना चाहिए। ऐसी आपदाएं मानव निर्मित हैं। महाराष्ट्र में जगह-जगह जलभराव की जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके पीछे भी कोताही ही है। जिन अधिकारियों पर बसावट की जिम्मेदारी है, वे सही ढंग से काम नहीं कर रहे हैं। ताजा हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर भी आंच आनी चाहिए, तभी देश में खतरनाक बस्तियों पर लगाम की गुंजाइश बनेगी। ठीक इसी तरह भारी बारिश की वजह से जर्जर मकानों का गिरना भी लापरवाही ही है। दोष भारी बारिश का कम और हमारा ज्यादा है। मुंबई जैसे महत्वपूर्ण महानगर में मकान गिर रहे हैं और लोग दब जा रहे हैं, तो हमें एक बार अपने गिरेबान में ईमानदारी से झांक लेना चाहिए। कोंकण में बारिश की वजह से करीब छह हजार से अधिक लोग फंसे रहे, तो क्यों? चिपलून के जिला कलक्टर के मुताबिक, वशिष्ठ नदी के किनारे अवैध निर्माण और कोलकेवाड़ी बांध से पानी छोड़े जाने से बाढ़ आ सकती है, मतलब खतरा न केवल बना हुआ है, बल्कि उसके बढ़ने की आशंका है। वशिष्ठ नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण 70 हजार की आबादी वाला 80 प्रतिशत से अधिक कस्बा जलमग्न हो गया है। छोटी नदियों में भी आई बाढ़ संकेत है कि हमने उनकी राह में बाधाएं बिछा दी हैं। पहले जब तेज बारिश होती थी, तब छोटी नदियां बचाव का काम करती थीं, पर अब देश भर में इन नदियों का जो हाल किया जा रहा है, व्यापकता में निगाह फेरने की जरूरत है। आज अगर हमें बचने के लिए आपदा प्रबंधन दलों और यहां तक कि नौसेना की जरूरत पड़ रही है, तो हमें सोचना ही पड़ेगा कि क्या है स्थाई समाधान।

जासूसी मामले की सच्चाई

मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल और पेरिस की संस्था फारबिडेन स्टोरीज द्वारा किए गए इस दावे ने देश-विदेश में राजनीतिक माहौल गर्मा दिया है कि इजरायली कंपनी एनएसओ के पेगासस साफ्टवेयर से दुनिया के कई देशों के साथ भारत में भी तीन सौ से अधिक लोगों के मोबाइल फोन को हैक करके जासूसी की गई। जिस तरह संसद के मानसून सत्र के ठीक पहले यह सनसनीखेज दावा किया गया, उससे संदेह नहीं कि यह सिर्फ मानसून सत्र की कार्यवाही बाधित करने के मकसद से किया गया। हालांकि एमनेस्टी इंटरनेशनल ने यह साफ कर दिया है कि उसके दावे से इसकी पुष्टि नहीं होती कि फोन हैक कर जासूसी की ही गई। अगर यह सच है तो फिर पूरा मामला बिना बात का बतंगड़ बन जाता है। पेगासस साफ्टवेयर बनाने वाली इजरायली कंपनी ने भी इस दावे को बेबुनियाद बताया है।

मोरक्को ने तो जासूसी का दावा करने वालों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की बात कही है। इसके बाद भी भारत में विपक्ष जासूसी के मामले में मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहा है। यह दावा संसद सत्र शुरू होने के कुछ ही घंटों पहले किया गया। इस पर सरकार ने भी अपना पक्ष रखा और पूरे मामले को निराधार बताया, फिर भी विपक्ष संसद में हंगामा कर रहा है। राज्यसभा में जब आइटी मंत्री इस मामले पर अपना बयान दे रहे थे तो तृणमूल कांग्रेस के सांसद ने उनके हाथ से कागज छीनकर फेंक दिए। इस अशोभनीय हरकत के कारण उन्हें संसद के शेष सत्र से निलंबित कर दिया गया, लेकिन विपक्ष शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष के हमलावर रुख के बाद भी सरकार यही कह रही है कि उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं और उसने किसी की जासूसी नहीं की। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने इस मामले को एक अंतरराष्ट्रीय साजिश करार देते हुए कहा कि इसका मकसद प्रस्तावित डाटा सुरक्षा विधेयक को कानून बनने से रोकना है। सच जो भी हो, इसमें दो राय नहीं कि विदेशी मीडिया समेत कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भारत का बढ़ता हुआ कद रास नहीं आ रहा है। उन्हें न तो मोदी सरकार पसंद है और न ही

उसकी विदेश नीति। हैरानी नहीं कि मीनाक्षी लेखी की बात में सच्चाई हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान विदेशी मीडिया के एक हिस्से की ओर से किस तरह भारत को नीचा दिखाने और उसे बदनाम करने की कोशिश के तहत बेहद नकारात्मक रिपोर्टिंग की गई।

जहां तक जासूसी की बात है तो यह कोई नई बात नहीं है। शायद मानव इतिहास के प्रारंभ से ही जासूसी चलती आ रही है। प्राचीन काल में चाहे राजा रहे हों या आज की सरकारें, उन्हें जनता की टोह लेने या पड़ोसी देश की सैन्य शक्ति की जानकारी हासिल करने के लिए जासूसी का सहारा लेना पड़ता है। जासूसी के बल पर न जाने कितने युद्ध जीते गए होंगे। शायद ही कोई ऐसा देश हो जिसकी जासूसी करने की कोई औपचारिक संस्था न हो। देश के अंदर भी आंतरिक सुरक्षा का आकलन करने के लिए जासूस सक्रिय रहते हैं। यह काम खुफिया संस्थाएं करती हैं। इसके अलावा सादे कपड़ों में पुलिस को भी यह जिम्मेदारी दी जाती है। जबसे टेलीफोन का अविष्कार हुआ तभी से फोन टैपिंग का भी सिलसिला शुरू हो गया था। संदिग्ध लोग, देश विरोधी तत्व, अपराधी और आतंकी तत्व फोन पर किससे क्या बात करते हैं, अगर सरकारें फोन टैपिंग करके इसका पता न लगाएं तो वे अपने नागरिकों को सुरक्षित नहीं रख सकतीं। आज तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि बेहतर जासूसी करना आसान होता जा रहा है। इसका प्रमाण पेगासस जैसे साफ्टवेयर भी हैं। पेगासस जैसे साफ्टवेयर महज फोन को हैक कर लोगों की बात ही नहीं सुन सकते, बल्कि मैसेज, ईमेल आदि भी पढ़ सकते हैं। ऐसे साफ्टवेयर भी आ गए हैं जो आपके फोन से किसी दूसरे को संदेश भेज देंगे और आपको पता भी नहीं चलेगा। वास्तव में मोबाइल फोन की क्रांति ने जहां लोगों को सहूलियत दी है, वहीं उनकी निजता के लिए खतरा भी पैदा कर दिया है। आज लोगों की निजी जानकारी का डाटा चोरी होना आम बात हो गई है। यह किसी से छिपा नहीं कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिये कंपनियां लोगों को अपने उत्पाद या सेवाएं खरीदने या उनकी पसंद बदलने के लिए किस तरह प्रेरित कर रही हैं। ब्रिटेन की कैंब्रिज एनालिटिका पर यह आरोप लगे अधिक दिन नहीं हुए कि उसने फेसबुक से लोगों का डाटा हासिल कर कई देशों के चुनाव प्रभावित किए। आज मोबाइल फोन के डाटा पर जिन कंपनियों का नियंत्रण है, वे उसका आसानी से उपयोग कर रही हैं। जहां हर नागरिक की निजता सुरक्षित रहनी चाहिए, वहीं सरकारों को अपराधी-आतंकी और समाज विरोधी तत्वों की टोह लेने के लिए उनकी जासूसी भी करनी होगी। तभी वे देश को सुरक्षित रख सकती हैं। जहां डाटा के इस्तेमाल से विश्व के अधिकतर नागरिकों के जीवन को बेहतर और सुरक्षित बनाया जा रहा है, वहीं इस पर भी बहस चल रही है कि इस डाटा का बेजा इस्तेमाल लोगों की निजता में सेंध लगा रहा है। यह बात सभी दलों को समझ लेनी चाहिए कि जहां डाटा से लोगों के जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है, वहीं जासूसी भी की जा सकती है। पेगासस के जरिये सरकार ने जासूसी की, इसका विपक्ष के पास फिलहाल कोई सुबूत नहीं है। लिहाजा संसद में शोर मचाने से बात बनने वाली नहीं है। आखिर कमल नाथ किस आधार पर यह कह रहे हैं कि मध्य प्रदेश में उनकी सरकार गिराने में पेगासस का इस्तेमाल हुआ या राहुल गांधी कैसे यह दावा कर रहे हैं कि सरकार उनके फोन टैप कर रही है। अगर आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस या अन्य किसी तकनीक के सहारे लोगों के डाटा का इस्तेमाल उनके जीवन को सुखद बनाने में हो तो भला किसे आपत्ति होगी। फोन टैपिंग से वे सफेदपोश लोग जरूर असहज होंगे जो कच्ची बात करने के आदी हैं। डिजिटल तकनीक के कारण डाटा के बेजा इस्तेमाल से लोगों की निजता भंग होती है। इससे लोगों का चिंतित होना लाजिमी है।

एक कला है निलंबित होना

जो लोग आज तक निलंबित नहीं हुए हैं, वे अब भी प्रयास कर लें तो देर नहीं कहलाएगी, क्योंकि निलंबन रूपी रत्न के बिना नौकरी रूपी ताज की आभा अधूरी रहती है। सुबह दस से शाम पांच बजे तक कलम या कंप्यूटर का माउस घसीटकर अपना फंड, ग्रेच्युटी और बीमा तो बहुत से लोग पा जाते हैं, पर बिना काम किए आधी तनख्वाह का सुख तो नसीब वाले ही उठा पाते हैं। निलंबन के लिए भ्रष्टाचार बहुत जरूरी है। यह माना जाता है कि जो निलंबित हुआ है, वह भ्रष्ट होगा। कभी-कभी ईमानदार लोग भी निलंबित हो जाते हैं। ऐसे मामलों में निलंबित करने वाला भ्रष्ट होता है। हालांकि निलंबित होना भी एक कला है। जो लोग इसे जानते हैं, सुखी रहते हैं। जानकार लोग जब तक नौकरी करते हैं, कमाते हैं। फिर निलंबित होकर बाकायदा उसका सुख भोगते हैं। हमारे एक मित्र हैं, जो कोई न कोई हथकंडा अपनाकर हर साल मई-जून में सस्पेंड हो जाते थे और बीवी-बच्चों को किसी हिल स्टेशन पर घुमा लाते थे। पिछले महीने लाकडाउन खुलने पर हमें मिले। बताया कि दफ्तर जा रहे हैं तो और आश्चर्य हुआ। काफी कुरेदने पर उन्होंने बताया, 'यार नया बास बहुत घाघ है। सोचा था कि अबकी गर्मियों में गांव वाला मकान बनवा लूंगा। मगर साहब ने सस्पेंड ही नहीं किया।' मुझे आश्चर्य हुआ कि मित्र जैसा अनुभवी व्यक्ति सस्पेंड होने में मात खा जाए तो नए लोगों का क्या होगा? मित्रवर ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया, ह्यनिलंबित होने के लिए मैंने क्या-क्या नहीं किया। अफसर को हिस्सा दिए बिना टेंडर पास करवाया। मगर उसने सस्पेंड करने के बजाय अगले टेंडर से मेरा कमीशन हड़प लिया। फिर मैंने सरेआम उसे गालियां दीं, लेकिन उसने कोई कार्रवाई करने के बजाय अपने कानों में रुई ठूंस ली। 'तुमने उसे झापड़ क्यों नहीं मारा?' मैंने अदनी-सी राय दी। 'वह भी मारकर देख लिया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उसने भी पलटकर मुझे जड़ दिया।' मित्र ने खिसियाकर आगे बताया, 'कहता है कि लोकतंत्र में सबको सस्पेंड होने का समान अधिकार है। यह क्या बात हुई कि हमेशा आप ही मौज करें। खूबचंद को लड़की की शादी करनी है। बटोही को आंख का आपरेशन करवाना है। पल्हड़ जी को अपने मां-बाप को माता वैष्णो देवी के दर्शन करवाने हैं। क्या इन लोगों को सस्पेंड होने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। मित्र की यह करुण कथा नौकरी रूपी पुस्तक का एक दुखद अध्याय है, जो कभी न कभी अनचाहे पढ़ना पड़ ही जाता है, पर इसका यह अर्थ नहीं कि कोशिश करनी छोड़ दी जाए। गीता में भी कहा गया है कि मनुष्य को कर्म अवश्य करना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पेगासस जासूसी का डर? महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी दफ्तरों में बैन किया मोबाइल का प्रयोग, कहा-लैंडलाइन से करें बात

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों और अधिकारियों के मोबाइल यूज पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने आदेश में कहा है कि अगर किसी को कहीं बात करनी है तो वह लैंडलाइन का प्रयोग करे। सरकार के इस आदेश को पेगासस जासूसी मामले से जोड़कर देखा जा रहा है। उद्धव ठाकरे सरकार की तरफ से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि सरकारी दफ्तरों में कर्मचारी और अधिकारी सरकारी संचार के लिए लैंडलाइन का प्रयोग करेंगे। उनके मोबाइल फोन का प्रयोग न करने

का आदेश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि अगर बहुत जरूरी हो उसी स्थिति में मोबाइल पर बात करें। अन्यथा लैंडलाइन का ही प्रयोग करें। अगर मोबाइल का प्रयोग किसी कारणवश करना पड़ रहा है तो इस बात से सतर्क रहें कि आपके आसपास कौन खड़ा है। पेगासस स्पाइवेयर मुद्दे पर देश में गरमागरम बहस हो रही है, ऐसे में महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले को इसी मुद्दे से जोड़कर देखा जा रहा है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि आधिकारिक काम के लिए जरूरी होने पर ही मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। कार्यालय में मोबाइल फोन का बहुत ज्यादा उपयोग सरकार की छवि को खराब कर रहा है।

'...तब साइलेंट पर रखें मोबाइल':

हालांकि आदेश में यह भी लिखा है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के कॉल का जवाब बिना देर किए देना चाहिए। आधिकारिक बैठकों के दौरान या वरिष्ठ अधिकारियों के कक्षों के अंदर मोबाइल फोन साइलेंट मोड पर होना चाहिए। इसी तरह, इंटरनेट ब्राउजिंग, मैसेज चेक करने और ईयर फोन के इस्तेमाल से ऐसे मौकों पर बचें।

'मोबाइल से कम करें सोशल मीडिया का प्रयोग'

आदेश में कहा गया है कि अगर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना है तो टेक्स्ट मेसेज का ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए और इन उपकरणों के जरिए बातचीत कम से कम होनी चाहिए। कार्यालय समय के दौरान मोबाइल उपकरणों के माध्यम से सोशल मीडिया का उपयोग सीमित होना चाहिए।

'धीमी आवाज में करें बात'

'आचार संहिता' में आगे कहा गया है कि मोबाइल फोन पर व्यक्तिगत कॉल का जवाब कार्यालय से बाहर निकलकर दिया जाए। आदेश में यह भी कहा गया है कि मोबाइल फोन पर बातचीत विनम्र होनी चाहिए और आसपास के लोगों को ध्यान में रखते हुए कम आवाज में बात होनी चाहिए।

हत्या का अरोपी फरार रिक्शा चालक 2 साल बाद उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

मीरा रोड। मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा इकाई ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जो दो साल पहले 2019 में 26 वर्षीय महिला की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में फरार हो गया था। एक विशिष्ट गुप्त सूचना के आधार पर, डीसीपी (अपराध) डॉ महेश पाटिल की देखरेख में पुलिस निरीक्षक- प्रमोद बधाक के नेतृत्व में एक टीम ने उत्तर के चंदौली जिले के प्रतापपुर गांव से कार्तिक प्रदीप सिंह (23) के रूप में पहचाने जाने वाले भगोड़े को पकड़ने में कामयाब रहे। प्रदेश। पुलिस के अनुसार, उन्होंने 1 मार्च, 2019 को सुबह करीब 10:30 बजे नालासोपारा (पूर्व) में यशवंत एम्पायर बिल्डिंग के सामने एक सुनसान

इलाके से योगिता मनोज देवरे नाम की महिला का शव बरामद किया था। जांच में एक महिला और दो नाबालिग समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। यह हत्या विवाहेतर संबंध और कथित द्विविवाह के मामले में बदले की कार्रवाई के रूप में निकली। हालांकि, सिंह, जिसने जांच दल के अनुसार हत्या को अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, दो साल से अधिक समय तक छिपने और पुलिस के जाल से बचने में कामयाब रहा। 'अपराध करने के बाद, सिंह भोपाल भाग गया, जहां उसने एक टोल संग्रह प्लाजा में एक परिचारक के रूप में काम किया। वह अपना स्थान बदलता रहा। एक जांच अधिकारी ने बताया कि हमने आखिरकार उसे चंदौली गांव में उसके चाचा के घर के पास एक बंद कारखाने के परिसर से गिरफ्तार कर लिया'। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 201 और 302 के तहत मामला दर्ज किया गया, सिंह को शनिवार को वसई में सत्र न्यायालय के समक्ष पेश किए जाने के बाद 29 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। आगे की जांच चल रही है।

'परमबीर के सहयोगी ने जताया था अनुमान, एनआईए महाराष्ट्र के चार-पांच मंत्रियों की जांच करेगी'

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ जबरन वसूली की शिकायत दर्ज कराने वाले एक बिल्डर ने जांचकताओं को बताया है कि इस साल मार्च में अपने पूर्व व्यापार साझेदार और सिंह के करीबी सहयोगी के साथ मुलाकात के दौरान उसने उसे यह कहते सुना था कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) महाराष्ट्र के चार से पांच मंत्रियों की जांच करेगी और राज्य सरकार जल्द ही गिर जाएगी। यह बात एक पुलिस अधिकारी ने कही। बिल्डर श्यामसुंदर अग्रवाल से कथित तौर पर 15 करोड़ रुपये की मांग करने के आरोप में मुंबई पुलिस ने सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामला बुधवार को दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस थाने में दर्ज किया गया था। अग्रवाल के पूर्व साझेदार संजय पुनमिया (55) और उसके सहयोगी सुनील जैन (45) को मामले में गिरफ्तार किया गया है। अग्रवाल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने परमबीर सिंह के खिलाफ जबदल वसूली का मामला दर्ज किया है। अग्रवाल की शिकायत के अनुसार, 2011 में विवादों के कारण उसकी साझेदारी समाप्त होने के बाद, पुनमिया ने अग्रवाल के खिलाफ कथित जबरन वसूली और धोखाधड़ी के कम से कम 18 मामले दर्ज कराये थे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

ड्रग्स केस में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी के भतीजे को एनसीबी ने भेजा समन

इससे पहले गोवा की एनसीबी इकाई ने समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के भतीजे अबू असलम आजमी को समन भेजा था। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह की मौत के बाद से ही एनसीबी बॉलीवुड समेत देश के कई हिस्सों में ड्रग्स तस्करी को रोकने के लिए कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में एजेंसी ने इस साल की शुरूआत में दक्षिण मुंबई के डोंगरी इलाके में एक ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था और मामले में एक वांछित अपराधी को सोमवार को गिरफ्तार किया था।

एनसीबी ने चरस, मेफेड्रोन और 17.5 लाख रुपये जब्त किए

जाकिर ने एक इमारत की पहली मंजिल से कूदकर भागने की कोशिश की, लेकिन अधिकारियों ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। उन्होंने कहा, एनसीबी ने उनके पास से 1.2 किलोग्राम चरस, मेफेड्रोन और 17.5 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। अधिकारी के मुताबिक, सैम लंगड़ा दिव्यांग है और मादक पदार्थों का कुख्यात तस्कर है। एनसीबी को उसकी तलाश थी क्योंकि एजेंसी को जोगेश्वरी के स्थानीय निवासियों से उसके नशीली पदार्थों के व्यापार के बारे में कई शिकायतें मिली थीं। एनसीबी के अधिकारी ने कहा कि जाकिर टकला भी एक कुख्यात अपराधी है और एजेंसी को मादक पदार्थ के कारोबार को लेकर उसकी तलाश थी।

नालासोपारा में सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में ट्रांसजेंडर गिरफ्तार

सूचना की प्रामाणिकता की पुष्टि करने के बाद, टीम ने नालासोपारा (पूर्व) में पेलहर के सागपाड़ा इलाके में छापा मारा और ट्रांसजेंडर सहित दोनों को पकड़ लिया। मकान से 2.53 लाख रुपये से अधिक कीमत के कंडोम भारी मात्रा में बरामद होने से पुलिस टीम दंग रह गई। बचाई गई महिलाओं को बोईसर के एक पुनर्वास केंद्र में भेज दिया गया है, वहीं आरोपियों पर आईपीसी की संबंधित धाराओं और अनैतिक तस्करी रोकथाम अधिनियम (पीआईटीए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी।

वर्ली में लकड़ी और बांस से बनी लिफ्ट 19वें फ्लोर से टूटकर गिरी

इस बीच, महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि शुरूआती तौर पर लिफ्ट में जरूरत से ज्यादा लोगों के चढ़ने से ये हादसा हुआ। मामले की जांच की जा रही है। जिस दौरान हादसा हुआ लिफ्ट में 6 लोग सवार थे और 2 व्यक्ति नीचे खड़े थे। ऊंचाई से गिरने के कारण 3 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक की अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। रात करीब 10 बजे एक और घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीन अन्य का इलाज जारी है। हादसा वर्ली में अंबिका बिल्डर्स शंकरराव फुटपाथ मार्ग हनुमान स्ट्रीट पर हुआ। वर्ली फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना शाम 5.54 पर हुई है। मृतकों में अविनाश दास (35), लक्ष्मण मंडल (35), भारत मंडल (28) और दो अज्ञात शख्स की मौत हुई है। एक शख्स को मलबे से निकालकर अस्पताल भेजा गया।

'स्वच्छ परिसर अभियान' के अंतर्गत आर.ड़ी. नेशनल महाविद्यालय, बांद्रा में 'औषधीय वनस्पति उद्यान' का उद्घाटन-समारोह

मुंबई। बांद्रा (पश्चिम)स्थित आर.ड़ी. नेशनल महाविद्यालय, जिसकी स्थापना महर्षि दयाराम गिड़डूमल तथा डॉ. एनी बेसेंट के शुभाशीर्वाद और कुशल नेतृत्व द्वारा हुई। मुंबई विश्वविद्यालय से संलग्न यह महाविद्यालय, पुराने शिक्षण-संस्थानों में से एक है।साथ ही हैदराबादसिंध नेशनल कॉलेजिएट द्वारा स्थापित चौबीस शिक्षण-संस्थानों में से यह शिक्षण-संस्था सर्वप्रथम है। यह एक ऐसी सिंधी अल्पसंख्यांक संस्था है,जिसकी अंतरात्मा राष्ट्रीयता से परिपूर्ण है व पिछले कई वर्षों से यह संस्था निरंतर प्रगति-पथ पर अग्रसर है।सबसे प्रथम और प्राचीन संस्था होने के कारण यह सांस्कृतिक विरासत और हैदराबाद व सिंध बोर्ड के सुनहले इतिहास को अपने भीतर समाहित किए हुए हैं।हमारी इन 70 वर्षों की विराट विरासत में विशिष्ट नेताओं से लेकर प्रमुख व्यक्तित्व तक अर्थात जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से संबंधित व्यक्तियों यथा:दिवंगत राष्ट्रपति डॉ. ए. पी.जे अब्दुल कलाम से लेकर संगीत के उस्ताद ए. आर. रहमान आदि) ने समय-समय पर हमारे विद्यार्थियों को प्रेरित और प्रोत्साहित किया है।कहा जाता है कि चुनौतियाँ मनुष्य की मानसिक अवस्था, जाति और संसार को बड़े पैमाने पर सशक्तता प्रदान करती है और इस दृष्टि से हमारी शिक्षण-संस्था

यह कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर रही है। अर्थात वर्तमानकालिक महामारी से उत्पन्न चुनौतियों को अवसर में बदलने और युवाओं को आवश्यक सहायता प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने का प्रशंसनीय कार्य किया है ताकि वे इन विषम परिस्थितियों पर विजय प्राप्त कर सकें। साथ ही अपनी सामाजिक भूमिका का निर्वाह करते हुए अपनी सीमा से अधिक और आगे बढ़कर हमारी संस्था ने प्रशासनिक निकायों को इस वैश्विक महामारी में पूर्ण सहयोग भी किया है। जैसेः-खादी के मास्क को बढ़ावा देना, मानसिक अस्वस्थता के समय हेल्पलाइन उपलब्ध करवाना, नए और उद्यमिता प्रकोष्ठ (एंटरप्रेन्योरशिप सेल) के उद्घाटन, वर्चुअल प्रयोगशाला, कौशल आधारित कार्यशाला व वेबिनार, रेडियो चैनल्स जैसे माध्यमों से से प्रोत्साहनपूर्ण बातें करना इत्यादि ऐसे कुछ उदाहरण हैं। सत्तर वर्षों के इस वैभवशाली विरासत को ध्यान में रखकर आज भी हमारी संस्था सतत युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करने और उन्हें हरित अभ्यास (ग्रीन प्रैक्टिस) के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए विविध गतिविधियों द्वारा आज भी प्रयत्नशील है। 'औषधीय वनस्पति उद्यान' एक ऐसा ही उपक्रम है,जिसमें वनस्पति की लगभग 200 प्रजातियाँ होंगी। इस उद्यान का विकास 'सुशीला आयुर्वेद अस्पताल और शोध-केंद्र,नासिक' के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 25 जुलाई,2021 को दोपहर 4 बजे श्री अनिल हरीश(प्रोवोस्ट एच. एस. एन. सी. यूनिवर्सिटी, ट्रस्टी,एच. एस. एन. सी.बोर्ड),बोर्ड के अन्य ट्रस्टी और सदस्य, डॉ. नेहा जगत्यानी (प्राचार्या, आर.डी. नेशनल महाविद्यालय) और नेशनल महाविद्यालय के कर्मचारी व विद्यार्थियों की उपस्थिति में आदरणीय श्री आदित्य ठाकरे (सम्माननीय पर्यावरण और पर्यटन मंत्री,महाराष्ट्र सरकार) के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न होगा। यह उपक्रम महाविद्यालय द्वारा वर्ष 2021-22 में 'स्वच्छ परिसर अभियान' के अंतर्गत संचालित किया गया है और यह सम्माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'स्वच्छ भारत अभियान' से ही जुड़ा है।यह उद्यान अनगिनत औषधीय वनस्पतियों से परिपूर्ण है,जिसमें स्थानीय और विशेष प्रजाति से जुड़ी वनस्पतियाँ भी हैं। नवंबर 2021 के बाद यह उद्यान -विद्यार्थियों, शिक्षकों और वनस्पति शास्त्र व आयुर्वेद के शोधकर्ताओं के लिए वर्चुअली खोल दिया जाएगा।जहाँ वे इन वनस्पतियों की सम्पूर्ण जानकारी और उनके औषधीय गुणों के महत्व को बड़ी आसानी से समझ पायेंगे।

दंगल टीवी लेकर आ रहा है महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने वाला अनोखा सीरियल 'रक्षाबंधन- रसाल अपने भाई की ढाल' 19 जुलाई से

रक्षाबंधन भाई बहन के अटूट रिश्ते का एक पावन पर्व माना जाता है जिसमें बहन अपने भाई को राखी बांधती है और भाई बहन की सदैव रक्षा करने का प्रण लेता है। लेकिन जमाना नया है तो रस्म भी नई होनी चाहिए। कहानी में ट्विस्ट यह है कि अब भाई अपनी बहन को राखी बांधता है और बहन उसको रक्षा का वचन देती है। महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने वाली यह कहानी दंगल टीवी पे जल्द आने वाले सीरियल 'रक्षाबंधन- रसाल अपने भाई की ढाल' में दिखाई जाएगी। इस शो का कॉन्सेप्ट नया और अनोखा है जो दर्शकों को लुभाने वाला है। सीरियल रक्षाबंधन की कहानी राजस्थान के देवरिया गांव के एक बहन और भाई के अटूट रिश्ते की है। जहां बहन अपने भाई की हर मुश्किल में उसकी ढाल बनी खड़ी रहती है। अपने भाई शिवराज पर आए हर संकट का निवारण करती है ये बहन रसाल। जो ये मानती है कि अगर एक भाई अपनी बहन से राखी बंधवा के उसकी रक्षा का वचन दे सकता है तो एक बहन अपने भाई से राखी बंधवा के उसकी रक्षा का वचन क्यों नही दे सकती। ये ऐसा रिश्ता है वो चन्दन जैसा पावन है और दीपक और ज्योति जैसा अनोखा है। ये कहानी एक बहन और भाई की भावनाओं से भरे सफर की है। कहानी में नया मोड तब आता है जब इनकी जिंदगी में सौतेली मां आती है जो इन बहन भाई को अलग करने की और उनकी संपत्ति और जायदाद हडपने की कोशिश करती है। रसाल कैसे अपने भाई की ढाल बनकर उसकी रक्षा करती है इस कहानी का मूल स्वरूप यही है। दंगल टीवी के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष सिंघल का कहना है कि दंगल टीवी पर, हम मानते हैं कि यह हमारे दर्शक हैं जो हमारी सफलता के लिए जिम्मेदार हैं। दंगल टीवी पर, हम अपनी ओरिजनल कहानियों की पेशकश को बढ़ाने की योजना बना रहे हैं और अपने दर्शकों के लिए भरपूर मनोरंजन का एक मात्र स्थान बनने की योजना बना रहे हैं। दंगल टीवी पर हमारा लक्ष्य सामाजिक रूप से संबंधित, महिला सशक्तिकरण की कहानी बताने पर है। आज के समय में जब पूरी दुनिया कठिन दौर से गुजर रही है, हम दंगल टीवी पर एक ऐसी कहानी लाना चाहते हैं, जो न केवल पारिवारिक एकता की बात करती है, बल्कि भाई-बहनों के इस रिश्ते का जश्न भी मनाती है और इस तथ्य को रेखांकित करती है कि महिलाएं घर और बाहर पुरुषों के बराबर हैं। हमारे लिए दंगल में, यह सिर्फ रेटिंग की बात नहीं है, बल्कि यह विश्वास भी है कि कुछ

कहानियों को बताने की जरूरत है और यह कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम छोटे शहरों में अपनी महिलाओं की आकांक्षाओं को बदलें और प्रतिबिंबित करें। इतना ही नहीं हमने अपने एक प्रोमो में टीकाकरण अभियान को इस उम्मीद में कैप्चर किया है कि यह हम सभी वयस्कों को भी समय पर टीके लेने की याद दिलाता है। 19 जुलाई 2021 से सोमवार से शुक्रवार शाम 7.30 बजे शुरू होने वाले हमारे नए शो रक्षाबंधन रसाल अपने भाई की ढाल को देखें और अपना प्यार बरसाएं सिर्फ दंगल टीवी पर। सीरियल में रसाल का रोल हार्दिक शर्मा ने और शिवराज की भूमिका अजिंक्य मिश्रा ने निभाई है। सीरियल में चकोरी का रोल नायरा बनर्जी कर रही हैं जिन्होंने हिंदी और साउथ इंडस्ट्री में काफी काम किया है। स्टार प्लस के शो दिव्य दृष्टि और एक्सक्यूज मी मैडम में उनकी अदाकारी सराही गई है। टीवी सीरियल गुड्डन तुमसे न हो पाएगा फेम एक्टर निशांत मलकानी ने रक्षाबंधन शो में उमेद सिंह का रोल किया है। बिग बॉस में नजर आ चुके निशांत ने रागिनी एमएमएस रिटर्न्स और बेजुबान इश्क जैसी फिल्मों में भी अदाकारी की है। निरहुआ हिंदुस्तानी 2 जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकी भोजपुरी अभिनेत्री संचिता बनर्जी इस शो में फूली के रोल में दिखाई देंगी।

पेगासस मामलाः पी चिदंबरम बोले- प्रधानमंत्री साफ-साफ बताएं, जासूसी हुई या नहीं

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी मामले पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह मामला गंभीर है और सरकार को या तो इन सभी आरोपों की जांच संयुक्त संसदीय समिति द्वारा करवानी चाहिए या फिर इसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश की नियुक्ति करने का अनुरोध करना चाहिए। चिदंबरम ने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संसद में बयान देना चाहिए और स्पष्ट करना चाहिए कि क्या जासूसी की गई थी या नहीं। चिदंबरम ने यह भी कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा जांच संसदीय स्थायी समिति की जांच से अधिक प्रभावी हो सकती है। वहीं जब उनसे पूछा गया कि संसदीय आईटी पैनल के प्रमुख शशि थरूर ने कहा है कि इस मामले की जांच उनकी समिति ही करेगी और इसके लिए जेपीसी की आवश्यकता नहीं है। चिदंबरम ने जवाब देते हुए कहा कि उन्हें संदेह है कि क्या भाजपा के अधिकांश सदस्यों वाला आईटी पैनल मामले की पूरी जांच निष्पक्षता से कर पाएगा।

राजा हसन की कव्वाली अलबम में सिंगर रवींद्र सिंह ने किया अभिनय

मुंबई। गायक रवींद्र सिंह ने अपनी सुरीली आवाज से अभी तक खुद की कई एल्बम रिलीज कर ख्याति प्राप्त की और लोगों को मंत्रमुग्ध किया है। गायन और संगीत के प्रति रवींद्र का जुनून उनके पहले रिलीज हुए गीतों में भी उल्लेखनीय रूप से देखा गया है। इससे पहले भी गायक रवींद्र सिंह ने बॉलीवुड के बहुमुखी प्रतिभाशाली दिवंगत अभिनेता इरफान खान के लिए अपनी सुरीली आवाज से प्रेममयी स्मृति में म्यूजिक वीडियो 'दिल से कहा'

रिलीज कर उन्हें मधुर श्रद्धांजलि दी थी। उनके गीत से सभी भाव विभोर हो गए थे। मगर इस बार रवींद्र सिंह गायक नहीं बल्कि एक विशिष्ट अभिनेता के रूप में नजर आ रहे हैं। क्योंकि इस बार वे मशहूर गायक राजा हसन द्वारा गायी गई कव्वाली के म्यूजिक वीडियो 'बेवफा हम न थे' में कव्वाली गाते हुए दिखे तो हैं मगर इस बार आवाज उनकी नहीं बल्कि सिर्फ अभिनय और डायरेक्शन उनका है। ईद-उल-अजह पर रिलीज हुई इस वीडियो एल्बम को ईद से अब तक लोग 'प्यार और दर्द की कहानी से भरी' इस कव्वाली का जमकर आनंद ले रहे हैं और ये कव्वाली की वीडियो एल्बम भी दर्शकों के दिलों को छू गई है। इस कव्वाली के म्यूजिक वीडियो 'बेवफा हम न थे' का निर्माण आर विजन ने किया है। इस वीडियो में खास तौर पर आशुतोष मालिक, कीर्ति चौहन और हरविंदर सिंह (रॉबिन) नजर आ रहे हैं। इस गीत (कव्वाली) का संगीत रईस भारती ने दिया है, जिसमें दुबारा संगीत देकर संगीत से सराबोर किया है विजय वर्मा ने और इसके डीओपी और एडिटर नरेश शाह हैं। इस कव्वाली को शब्दों में पिरोने वाले यानि गीतकार स्वर्गीय अनवर सागर थे। यह कव्वाली की वीडियो एल्बम भी दर्शकों को बहुत पसंद आ रही है। रवींद्र सिंह ने श्रोताओं और दर्शकों के पसंद को ध्यान में रखकर आर विजन के अंतर्गत कई म्यूजिक वीडियो का निर्माण किया है।

महाराष्ट्र में मॉनसून के कहर से 136 से ज्यादा की मौत

मुख्यमंत्री ने किया चिपलून का दौरा

मुंबई। महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बाढ़, भूस्खलन और बारिश से जुड़ी अन्य घटनाओं के कारण बीते 24 घंटे में एक और व्यक्ति की मौत के बाद रविवार को मृतकों की संख्या 136 से ज्यादा हो गई, जबकि 100 लोग लापता हैं। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी। सरकार ने एक बयान में कहा कि इन घटनाओं में 50 लोग घायल भी हुए हैं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कोंकण क्षेत्र के रत्नागिरी जिले में भीषण बाढ़ से ग्रस्त चिपलून का दौरा किया। स्थानीय लोगों के एक समूह ने मुख्यमंत्री के काफिले को रोका और उन्हें इलाके में बारिश के कहर से होने वाली समस्याओं के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने निवासियों, व्यापारियों और दुकानदारों के साथ बातचीत की और क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद का वादा किया। ठाकरे ने कहा कि उन्हें 'दीर्घकालिक राहत कार्यों के लिए केंद्रीय सहायता' की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को पश्चिमी महाराष्ट्र का दौरा करेंगे और नुकसान की सीमा का एक व्यापक डेटा तैयार किया जाएगा। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने बड़े पैमाने पर भूस्खलन

का शिकार हुए रायगढ़ के तालिये गांव का बृहस्पतिवार को दौरा कर कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बारिश से हुए नुकसान पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। राणे ने कहा कि स्थानीय निवासियों से सुझाव लेने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत क्षतिग्रस्त घरों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दारेकर राणे के साथ थे। राज्य सरकार ने कहा कि पिछले 24 घंटों में पुणे में एक व्यक्ति की मौत और एक व्यक्ति के लापता होने की खबर है। सरकार ने कहा कि अब तक रायगढ़ में 52, रत्नागिरी में 21, सतारा में 13, ठाणे में 12, कोल्हापुर में सात, उपनगरीय मुंबई में चार और सिंधुदुर्ग और पुणे में दो-दो लोगों की मौत हुई है। कोल्हापुर, सांगली, सतारा और पुणे के कुल 875 गांव मूसलाधार बारिश से प्रभावित हुए हैं, जबकि 1,35,313 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि रत्नागिरी के छह राहत शिविरों में करीब 2,000 लोगों को रखा गया है। चिपलून में वशिष्ठी नदी पर बना एक पुल पहले भी भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था।

पोर्नोग्राफी केसः गहना वशिष्ठ सहित तीन लोगों को मुंबई पुलिस ने भेजा समन

संवाददाता

मुंबई। पोर्न फिल्में बनाने और उन्हें गैर कानूनी तरीके से एप्स पर अपलोड करने के आरोप में शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पुलिस हिरासत में हैं। इस पूरे मामले में रोज नई कड़ियां खुलकर सामने आ रही हैं। वहीं राज कुंद्रा के इस धंधे के खुलासे के बाद पूरी फिल्म इंडस्ट्री में खलबली मच गई है। हर किसी की अलग प्रतिक्रिया सामने आ रही है। इसी बीच एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। हाल ही में मुंबई पुलिस ने अभिनेत्री गहना वशिष्ठ सहित तीन लोगों को पूछताछ के लिए समन भेजा है। मुंबई पुलिस द्वारा तलब किए गए इन लोगों से आज इस पूरे गिरोह के बारे में सवाल किए जाएंगे। वहीं बीते दिनों पूनम पांडे के राज कुंद्रा पर आरोपों के बाद गहना वशिष्ठ उनके बचाव में खड़ी हो गई थीं। गहना ने राज के बचाव में कई बातें सामने रखी थीं। उसके बाद गहना ने एक और बड़ा खुलासा किया

था कि राज अपनी साली शमिता शेट्टी संग फिल्म बनाने वाले थे जिसमें गहना की भी भूमिका होती। अब इन सब बातों और खुलासों के बीच सभी की नजरें इसपर टिकी हैं कि आखिर गहना वशिष्ठ के साथ पूछताछ के बाद क्या नई बातें निकलकर सामने आएंगी। बता दें, हाल ही में मुंबई पुलिस ने बताया है कि क्राइम ब्रांच को पोर्नोग्राफी मामले के सिलसिले में तलाशी के दौरान राज कुंद्रा के अंधेरी स्थित वियान और जेएल स्ट्रीम ऑफिस से एक खुफिया अलमारी मिली है। क्राइम ब्रांच लगातार इस केस की जांच कर रही है। दरअसल, पुलिस ने अपनी जांच में दावा किया है कि राज कुंद्रा इस घिनौने रैकेट के मास्टरमाइंड हैं। पुलिस का कहना है कि राज ने ना सिर्फ 'हॉटशॉट्स' एप की शुरूआत की, बल्कि जांच की भनक लगते ही 2019 में इस एप को अपने जीजा प्रदीप बख्शी की लंदन वाली कंपनी केनरिन को बेच भी दी।

fresh &easy
GENERAL STORE

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN:
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

राजस्थान हलचल

सोशल मीडिया पर युवती की बदनामी करने वाले के खिलाफ अपराध दर्ज

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। सोशल मीडिया फेसबुक और व्हाट्सएप डीपी पर 18 साल की लड़की की फोटो पोस्ट करना और उसे बार-बार मैसेज करने और धमकी देने वाले खामगांव के आकाश तारापुरे के खिलाफ 24 जुलाई को तालुका के एक गांव की एक पीड़िता की शिकायत पर नंदुरा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। नंदुरा तालुका के एक गांव की 18 वर्षीय पीड़िता ने नंदुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इसमें आकाश तारापुरे ने पीड़िता की बहन के मोबाइल फोन पर मैसेज मैसेज कर उसकी जान को नुकसान पहुंचाने और आरोपी की भतीजी के पास के फोटो फेसबुक पर शेअर कर बदनाम करने की धमकी दी थी। पीड़िता के पूरी तरह इनकार करने के बावजूद, उसने तस्वीरों को आपस में जोड़ा और उन्हें फेसबुक और व्हाट्सएप डीपी पर पोस्ट कर के फियार्दी को बदनाम किया। यह सब 28 जून से 23 जुलाई के बीच हुआ। इस शिकायत पर पुलिस ने आरोपी आकाश तारापुरे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

राजस्थान हलचल

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल एवं एमपीएस संस्कृति अजमेर रोड बगरू में गुरु पूर्णिमा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल एवं एमपीएस संस्कृति अजमेर रोड बगरू में गुरु पूर्णिमा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती पूनम अंकुर छाबड़ा प्रसिद्ध समाजसेविका, भवन सचिव श्रीमान सुरेंद्र जी काबरा आदि गणमान्य जन उपस्थित थे। इस पावन अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाज सेविका श्रीमती पूनम अंकुर छाबड़ा जी को पुष्पाहार प्रदान कर स्वागत किया गया। गुरु

चरणों की वंदना करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती पूनम अंकुर छाबड़ा, भवन सचिव श्रीमान सुरेंद्र जी काबरा, विद्यालय प्राचार्या महोदय, उप प्राचार्य महोदय आदि गणमान्य जनों ने अपने आशीर्वचनों में मानव जीवन में गुरु की महिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु ही व प्रकाश पुंज है जिसकी ओज से ही शिष्य के मन के सारे विकार नष्ट हो सकते हैं। इस पावन पर्व पर कोविड गाइडलाइन की पालना करते हुए विद्यालय शिक्षकवृंद एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा गुरु वंदन करते हुए मधुर गायन, नृत्य आदि की मनमोहक प्रस्तुतियां पेश कर सभी का मन मोह लिया। इस शुभावसर पर आगंतुक अतिथियों के कर कमलों से विद्यालय गुरुजनों का तिलक वंदन कर श्रीफल भेंट किए गए।

इंग्लिश मध्यम विज्ञान वर्ग में मुस्कान बानो 94 .40 एवं रिजवाना बानो 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर, किया विद्यालय का नाम रोशन

रिज्वाना बानु--- मुस्कान बानु

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमंद.आमेट। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित सीनियर सेकेंडरी इंग्लिश माध्यम विज्ञान वर्ग के घोषित परीक्षा परिणाम में स्थानीय तुलसी अमृत विद्या पीठ विद्यालय आमेट में अध्ययनरत होनहार छात्रा सुश्री मुस्कान बानू एवं रिजवाना बानो पुत्री अधिवक्ता शराफत हुसैन फौजदार ने क्रमशः 94 .40 मुस्कान बानू एवं 95 प्रतिशत रिजवाना बानू ने अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन किया छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों एवं परिवार को दिया है वहीं छात्राओं ने बताया कि आगे चलकर वह डॉक्टर बनकर गरीबों की सेवा करनी चाहती है।

समस्तीपुर हलचल

बालू की तय कीमत से अधिक बेचने पर होगी सख्त कर्रवाई : खनन मंत्री जनक राम

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। बिहार सरकार के भूतल एवं खनन मंत्री जनक राम रविवार को अपने निजी कार्य के लिए समस्तीपुर पहुंचे। जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास की एक नई दिशा में चल रही है। उन्होंने कहा कि खनन विभाग में सरकार की तरफ से रोजगार और सृजन उत्पन्न करना उनकी जिम्मेदारी है। आम जनों को सस्ते दरों में बालू उपलब्ध कराना एवं खनन माफियाओं से बालू की अवैध खनन में रोकथाम लगाना हमारे सरकार की प्रथम प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जितने भी लोग दोषी पाए गए हैं उन पर कार्रवाई की गई है एवं मीडिया के माध्यम से भी जितनी भी जानकारी दी गई है उस पर भी सरकार की ओर से कार्रवाई की गई है। सरकार ने बालू के अवैध खनन एवं अवैध धंधे पर रोक लगाने के लिए कई करे कदम उठाए हैं। अवैध खनन में शामिल ट्रैक्टर ट्रक जेसीबी जो भी पकड़ा जाता है। उस पर भारी जुर्माना लगाया जाता है एवं 1 महीने के अंदर जुर्माना नहीं चुकाने पर उनकी गाड़ी की नीलामी भी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। इस तरह से हम सरकार के किसी भी राजस्व का नुकसान होने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि अवैध खनन से जुड़े लोगों को गिरफ्तार कर उन पर

कार्रवाई कर हमने उन्हें उनके मनोबल को तोड़ दिया है। अवैध खनन एवं बिक्री में शामिल सभी दोषियों को भारी जुमार्ना के साथ-साथ जेल भी भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की जो भी प्राथमिकता थी उस पर भी पूरी तरह से अमल कर एवं उस में जुटे हुए हैं। चाहे कितनी भी बड़े अधिकारी अवैध कार्य में लिप्त होंगे तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने बताया कि बिहार सरकार ने हर जिले के लिए बालू की कीमत को तय कर दिया है। ताकि बिचौलिया से लोगों को बचाया जा सके। अगर कहीं भी बालू की कीमत में अंतर होता है तो वहां अधिकारियों को औचक निरीक्षण करना है एवं जहां बालू की मंडी लगती है। वहां बालू की कीमत एवं गुणवत्ता पर भी ध्यान रखना इसके साथ अगर कहीं भी बालों में मिलावट एवं तय कीमत से अधिक में खरीद या बिक्री हो रही हो। तो इसमें शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार करना है एवं उनके ट्रक को जप्त करना है। उन्होंने कहा कि मीडिया कि लोगों को अगर इसकी जानकारी या भनक लगती है तो इसकी सूचना जरूर संबंधित पदाधिकारी को दें। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं समस्तीपुर जिला अधिकारी शशांक शुभंकर को अवैध खनन एवं बालू की तय कीमत पर खरीद बिक्री करने में जो उत्कृष्ट कार्य किया है वे वाकई धन्यवाद के पात्र हैं।मौके पर प्रभारी पदाधिकारी कुमार गौरव मौजूद थे।

सांसद प्रिंस राज ने कहा कि पार्टी के सिर्फ शीर्ष नेतृत्व में बदलाव हुई, पार्टी वही है

समस्तीपुर। जिले के सांसद सह लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज रविवार को समस्तीपुर पहुंचे। जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की पार्टी में कोई बदलाव नहीं हुआ है पार्टी अभी भी वही है। उन्होंने कहा कि पार्टी अभी भी एक ही है। कोई व्यक्ति अगर किसी अलग गट की बात कर रहा है तो वह उस दिन निजी समस्या है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सिर्फ शीर्ष नेतृत्व की बदलाव हुई है पार्टी वही है। लोक जनशक्ति पार्टी आज भी पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान के विचारधारा पर आज भी आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी गरीबों, पिछड़ों की आवाज बनकर है और हमेशा ही रहेगी। उन्होंने

कहा कि उनकी पार्टी हमेशा रामविलास पासवान जी की विचारधारा को जीवित रखकर उसे आगे बढ़ाने का काम करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति पारस ही है। हालांकि, चिराग पासवान अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष होने का दावा कर रहे हैं यह मामला चुनाव आयोग के पास लंबित है। चुनाव आयोग की तरफ से जो भी निर्णय आएगा उसे पार्टी स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर जिले के जिला अध्यक्ष आज भी पार्टी के पुराने नेता एवं पूर्व विधायक विश्वनाथ पासवान ही हैं। किसी अन्य के दावा करने से या किसी दूसरे गुट की बात करने से पार्टी का कोई लेना देना नहीं है।

रामपुर हलचल

नगरपालिका परिषद द्वारा नगर के अंदर विशेष तरीके से सफाई व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखा गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। लगातार तीन दिन बकरा ईद के मौके पर नगरपालिका परिषद द्वारा नगर के अन्दर विशेष तरीके से सफाई वयवस्था को चुस्त दुरूस्त रखा गया अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा व पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला जी व नगर पालिका की टीम एवं सफाई कर्मियों द्वारा नगर का सम्पूर्ण तरीके से भ्रमण कर अपनी जिम्मेदारियों को निभाया गया कहीं पर भी गंदगी आदि से सम्बंधित कोई शिकायत प्राप्त न हो सकी नगरवासियों द्वारा सफाई वयवस्था आदि को लेकर सराहना की गई उधर कोतवाल प्रवेज कुमार मय अपने फोर्स बल के साथ नगर के अन्दर भ्रमण करते रहे कहीं पर भी किसी भी प्रकार की शान्ति व्यवस्था में कोई बाधा उत्पन्न न हो सकी शान्ति व्यवस्था रखे जाने के साथ साथ सौहार्द वातावरण के चलते ईदुल अजहा का पर्व मनाया गया इस मौके पर कोतवाल प्रवेज कुमार एस. आई. मनोज कुमार एस. आई नरेश सिंह, राहुल, कुलवन्त, कुलवीर, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला, धनीराम सैनी, राजकुमार शुक्ला, जियाउर्रहमान, डालचन्द, अ० रऊफ, एहतराम अली, सल्मान अक्खू, फैजान फैज, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मधुबनी हलचल

मधुबनी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में डीएम अमित कुमार ने किया ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन

मधुबनी। मधुबनी जिला के लोग अब ऑक्सीजन के लिए दूसरे जिलों में नहीं जाएंगे डी, एम, अमित कुमार ने ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन किया मौके पर मधुबनी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के चेयरमैन डॉ फैयाज अहमद और डायरेक्टर तौसीफ अहमद और आसिफ अहमद सहित अन्य लोगों मौजूद थे डी, एम अमित कुमार ने बताया कि यहां ऑक्सीजन प्लांट लगवाने से मरीजों को काफी फायदा मिलेगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के डायरेक्टर तौसीफ अहमद ने बताया कि इस ऑक्सीजन प्लांट की ऑक्सीजन उत्पादन की क्षमता 600 लीटर पर मिनट है गुजस्ता रोज आलमी वबा कोरुना वायरस में ऑक्सीजनो के लिए बहुत परेशानी

उठाना पड़ा ऐसे में ऑक्सीजन प्लांट लग जाने से लोगों को काफी फायदा होगा मधुबनी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के चेयरमैन डॉ फैयाज अहमद ने कहा कि आने वाले दिनों में कई लोगों को इससे फायदा पहुंचेगा आप लोगों को मालूम हो कि मधुबनी जिले में दो तीन जगहों पर ऑक्सीजन प्लांट लगाया जाएगा और हमारा मकसद है कि मधुबनी जिला के लोगों को परेसानी का सामना करना नहीं पड़े मौके पर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के डायरेक्टर तौसीफ अहमद, मैनेजिंग डायरेक्टर आसिफ अहमद, हाफिज मोहम्मद नियाज अहमद, फैज अहमद आईएएस, डॉक्टर हिना, अफसर अली कोसर राकेश यादव, वगैरा मौजूद थे।

शिक्षा विभाग बिहार सरकार की गलतियों के कारण नहीं कर सके प्रमाण पत्र अपलोडः मशकूर आलम

मधुबनी। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी की एक बैठक संघ के जिला कार्यालय शम्स मंजिल लहेरियागंज वार्ड नं-01 में आहुत की गई जिसकी अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने की, बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने ने कहा के शिक्षा विभाग बिहार सरकार के गलतियों के कारण वेबपोर्टल पर शिक्षक अपना प्रमाण पत्र अपलोड नहीं कर पाये, वेबपोर्टल पर काई हजार शिक्षकों का EPF नंबर गलत दर्ज है और कई हजार शिक्षकों का EPF NOT FOUND आ रहा है जिस कारण शिक्षक अपना प्रमाण पत्र अपलोड नहीं कर सके, जिला सचिव तकी अख्तर ने कहा के शिक्षकों के नाम, पिता/पति का नाम जन्म तिथि आदि में त्रुटि का निष्पादन अंतिम क्षणों तक विभाग के द्वारा नहीं किया गया,एसे शिक्षकों की संख्या भी हजारों में है, इस पर प्रखण्ड अध्यक्ष बेनीपट्टी श्री अखिलेश कुमार झा ने कहा के अगर समय रहते विभाग के द्वारा वेबपोर्टल पर त्रुटियों में सुधार कर लिया जाता तो हमारे शिक्षकों के द्वारा स समय प्रमाण पत्र अपलोड कर लिया जाता सरकार अपनी नाकामी को छुपा रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संतरे के सेवन से दूर होगी ये 8 बड़ी-बड़ी समस्याएं

सर्दी के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए खान-पान का खास ख्याल रखना पड़ता है। इस मौसम में जरा सी लापरवाही आपको सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों की शिकार बना सकती है। वैसे तो सर्दियों में संतरा खाना हर किसी को पसंद होता है लेकिन शायद ही कोई इससे होने वाले फायदों के बारे में जानता हो। सर्दियों में रोजाना संतरे या इसके जूस का सेवन जुकाम-खांसी के साथ कई बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। एमिनो एसिड, फाइबर, कैल्शियम, आयोडीन, फॉस्फोरस, सोडियम, मिनरल्स, विटामिन अ और इ के गुणों से भरपूर संतरा कैंसर और दिल की बीमारियों को दूर रखता है। इसके अलावा रोज संतरा खाने से इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। तो चलिए जानते है रोजाना संतरे या इसके जूस का सेवन आपको किन बीमारियों से दूर रखता है।

1. सर्दी-जुकाम
संतरे में मौजूद विटामिन सी सर्दी-जुकाम, खांसी और कप जैसी समस्याओं को दूर करता है। रोजाना इसके जूस में नींबू का रस मिलाकर पीना भी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

2. ब्लड प्रेशर कंट्रोल
फाइबर और सोडियम के गुणों से भरपूर संतरा डायबिटीज मरीजों के लिए अच्छा होता है। रोजाना इसका सेवन ब्लड प्रैशर को कंट्रोल करता है।

3. कैंसर
इसमें मौजूद विटामिन ए और सी शरीर में मौजूद लाइमोनिन कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकते है। एक स्टडी के मुताबिक संतरा लीवर और ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को कम करता है।

4. किडनी की पथरी
किडनी स्टोन की समस्या होने पर रोजाना संतरे और इसके जूस का सेवन करें। पथरी 2-3 हफ्ते में ही निकल जाएगी।

5. बवासीर
यह पेट के अल्सर को खत्म करके बवासीर से राहत दिलाता है। इसके अलावा संतरे के छिलका का पाउडर बनाकर गर्म पानी के साथ पीने से बवासीर से राहत मिलती है।

6. गठिया
सर्दियों में गठिया रोगियों के जोड़ों और घुटनों का दर्द और भी बढ़ जाता है। ऐसे में संतरे के रस और बकरी के दूध को मिलाकर पीने पर इस दर्द से राहत मिलती है।

7. बुखार
अगर आपको तेज बुखार है तो दिन में 2 बार संतरे के जूस का सेवन करें। इसका सेवन शरीर के तापमान को कम करने में मदद करता है।

8. पेट की समस्याएं
संतरे के रस को गर्म करके उसमें काली मिर्च और सूंड का रस मिला लें। पेट में गैस, अपच, कब्ज, बदहजमी, सूजन, इंफैक्शन और बदहजमी को दूर करने के लिए इस मिश्रण का सेवन करें।

मोच और अंदरूनी चोट से आराम दिलाएंगे ये उपचार

किसी दुर्घटना का शिकार होने पर या किसी धारदार हथियार से कट जाने पर जब त्वचा से खून आने लगता है तो उसे चोट कहा जाता है। वहीं किसी ऊबड़-खाबड़ जगह पर चलने या गड्ढे में अचानक से पैर आने पर मोच या फिर अंदरूनी चोट आ जाती है। मोच आने से उस अंग पर सूजन आ जाती है और काफी दर्द होने लगता है। इस दर्द का सही तरीके से अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है क्योंकि यह दिखाई तो नहीं देती लेकिन महसूस बहुत होती है। इसलिए हमें मोच या चोट आने पर तुरंत इसे ठीक करने के लिए प्राथमिक उपचार करना चाहिए। चलिए आपको बताते है कि ऐसी स्थिति में कुछ घरेलू उपचार के जरिए कैसे मोच, अंदरूनी चोट एवं सूजन को दूर कर सकते है।

अंदरूनी चोट को ठीक करने के उपाय

1. अगर आपको लकड़ी-पत्थर लगने से सूजन आई है तो इसके लिए आप हल्दी एवं खाने का चूना एक साथ पीसकर गर्म लेप लगाए अथवा इमली के पत्तों को उबालकर बांधने से भी सूजन उतर जाती है।
2. कभी-कभी कठिन व्यायाम करने पर भी अचानक से मोच आ जाती है। इसके लिए अरनी (एक प्रकार का पौधा) के उबाले हुए पत्तों को किसी भी प्रकार की सूजन पर बांधने से काफी आराम मिलता है।
3. मोच या चोट के कारण यदि खून जम गया हो एवं गांठ पड़ गई हो तो बट के

पेड के कोमल पत्तों पर शहद लगाकर बांधने से लाभ होता है।
4. बच्चों को खेलते समय मोच आ जाए तो मोच के स्थान पर चने बांधकर उन्हें पानी से भिगोते रहें। जैसे-जैसे चने फूलेंगे वैसे-वैसे मोच दूर होती जाएगी, यह एक बेहतरीन इलाज माना गया है।
5. मोच के कारण आई सूजन के दूर करने के लिए गुनगुने पानी में फिटकरी मिलाकर चोट वाले हिस्से पर सिकाई करें।
6. सीढियों से अचानक पैर फिसल जाने के कारण भी अक्सर लोगों को चोट व मोच आ जाती हैं। सरसो और हल्दी को गर्म करके उसे मोच वाले स्थान पर लगाए और उस पर एरण्ड के पत्ते को रखकर पट्टी बांध दें।
7. सूजन में करेले का साग खाना भी लाभप्रद माना जाता है।

वजन घटाने से जुड़ी ये 8 बातें है मिथ, न करें विश्वास

बढ़ता मोटापा न सिर्फ आपकी लुक खराब करता है बल्कि इससे कई तरह की बीमारियों का खतरा भी हो सकता है। ज्यादातर लोग मोटापा कम करने के लिए दवाइयों, घरेलू नुस्खें, जिम और संतुलित आहार जैसे शार्टकट अपनाते है। मोटापा करने के लिए यह शार्टकट सेहत के लिए खतरनाक हो सकते है। लोग इन तरीकों से वजन कम करने को सही मानते है लेकिन यह सिर्फ आपका भ्रम हैं। इन तरीकों से मोटापा घटाने के कारण कई हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती है। आज हम आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बताने जा रहें है, जिसे आप मोटापा करने के लिए सही मानते है, पर असल में यह गलत है। आइए जानते है मोटापा घटाने के लिए सही समझें जाने वाले गलत तरीकों के बारे में।

1. नींबू पानी और शहद
मोटापा कम करने के लिए लोग सबसे पहले नींबू और शहद का सेवन ही करते है लेकिन यह वजन घटाने में मदद नहीं करता। 1 चम्मच शहद में करीब 200 कैलोरी पाई जाती है, जोकि वजन घटाने में खलल डालती है।

2. एप्पल साइडर सिरका
वजन घटाने के लिए लोग सुबह खाली पेट इसका सेवन करते है लेकिन खाली पेट इसका सेवन अल्सर का खतरा पैदा करता है। इसके अलावा यह गले में जलन और नर्वस सिस्टम को हानि पहुंचाता हैं।

3. फल
फ्रूट डाइट का सेवन करके लोग वजन को जल्दी घटाने की कोशिश

करते है। फल खाना सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन वजन घटाने के लिए अत्यधिक, पपीता, खरबूजे और तरबूज का सेवन ह्रदय के लिए हानिकारक होता है। इसमें अधिक मात्रा में ग्लाइसिमिक इंडेक्स पाया जाता है, जो वजन घटाता नहीं बल्कि बढ़ाता है।

4. शुगर फ्री खाद्य पदार्थ
यह भी एक भ्रम है कि शुगर फ्री चीजों का सेवन वजन घटाने में मदद करता है। बेशर इसमें चीनी का मात्रा कम होती है लेकिन इसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा पैदा करते हैं।

5. सुबह सैर करना
लोगों का मानना है कि सुबह सैर करने से वजन कम होता लेकिन यह व्यायाम की अवधि पर ही निर्भर होता है। सुबह-शाम सैर करने से केवल 3500 कैलरी ही बर्न होती है। मोटापा कम करने के लिए व्यायाम की अवधि बढ़ाएं।

6. भूखे रहना
लोग भूखे रह कर जल्दी से जल्दी वजन कम करने की कोशिश करते है लेकिन भूखे रहने से बीएमआर घटता है, जिससे कैलोरी कम बर्न होती है।

7. सप्लीमेंट्स
कुछ लोग मोटापा कम करने के लिए प्रोटीन शेक्स और वजन घटाने वाले पाउडर का सेवन करते हैं। इसका सेवन इलेक्ट्रोलाइट को नुकसान पहुंचाता है, जिससे कई गंभीर बीमारियों और किडनी फेल का खतरा बढ़ जाता हैं।

8. ज्यादा जिम जाना
जिम और ऐरोबिक्स से पहले कारबोहाईड्रेट्स बर्न होता उसके बाद ही फैट बर्न होना शुरू होना। जबकि व्यायाम करने से पहले फैट और उसके बाद कारबोहाईड्रेट्स बर्न होता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कुछ नया करने जा रहीं मलाइका अरोरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोरा ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई हैं। मलाइका 2 दशक से ज्यादा समय से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। मलाइका कई टीवी शोज को जज करती भी नजर आती हैं। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर फैंस को योग और फिटनेस की टिप्स भी देती रहती हैं। वहीं अब मलाइका कुछ बड़ा करने वाली हैं। वह एंटरप्रेन्योर के तौर पर अपनी जर्नी शुरू करने वाली हैं। मलाइका अपने साथियों के साथ मिलकर नया कंटेंट प्रोड्यूस करने वाली हैं, जिसकी तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही है। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान दी है। खबरों के अनुसार मलाइका ने दो साल पहले कन्टेंट को को-प्रोड्यूस करने की योजना बनानी शुरू की थी। वे एक निमार्ता के तौर पर सलमान खान की फिल्म 'दबंग' से भी जुड़ी थीं। उन्होंने कहा, आखिरकार यह आगे बढ़ रहा है और मैं कुछ शो को को-प्रोड्यूस करने जा रही हूं। मलाइका ने कहा, आशा करती हूं कि ये सब आसानी से हो जाए। बहुत सारा काम पहले से ही पाइपलाइन में है। बीते दो सालों में प्लान ने आकार लेना शुरू किया है और मैं अपना शुरूआती कुछ काम अगले स्तर पर ले जाने की उम्मीद कर रही हूं। इसके मैंने कुछ शानदार लोगों के साथ मिलकर काम किया है।

श्रद्धा निभाएंगी डबल रोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। श्रद्धा कपूर जल्द ही रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'चालबाज इन लंदन' में नजर आएंगी। इस फिल्म को पंकज पराशर डायरेक्ट करेंगे जिन्होंने श्रीदेवी की क्लासिक फिल्म चालबाज बनाई थी। ये फिल्म भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी सीरीज और डायरेक्टर अहम खान और शकीर खान के पेपल डॉल एंटरटेनमेंट के बैनर के तले बन रही है। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर डबल रोल में नजर आने वाली हैं। खबरों के अनुसार हाल ही में एक इंटरव्यू में पंकज पराशर ने श्रीदेवी की चालबाज और श्रद्धा कपूर के साथ बन रही चालबाज के बीच अंतर बताया है। पंकज ने यह भी खुलासा किया कि कैसे ओरिजिनल फिल्म की सफलता के बाद इसके आगामी सीक्वल के लिए भी काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। पंकज पराशर ने बताया कि मैंने चालबाज श्रीदेवी के साथ बनाई थी। हम चाहते थे वो अपने वक्त से आगे की फिल्म बने। उसी सोच के साथ मैं चालबाज इन लंदन को भी बनाने की तैयारी में हूं। यह भी एकदम नई फिल्म होगी, जो नई दुनिया के साथ और उसके अनुसार होगी। हालांकि ये पुरानी चालबाज से बिल्कुल अलग होगी और कहानी भी आज के दौर के अनुसार सेट की गई है।

सलमान खान की फिल्म को निर्देशित करने से राजामौली ने कर दिया था इंकार!

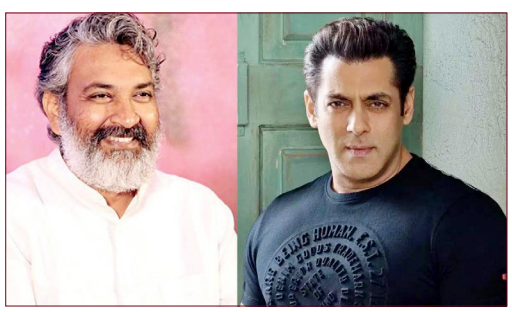

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' को हाल ही में 6 साल पूरे हुए है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ करीना कपूर, हर्षाली मल्होत्रा और नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म में एसएस राजामौली के पिता केवी विजेंयद्र प्रसाद ने लिखा था। इस फिल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया था। लेकिन क्या आप जानते हैं इस फिल्म का निर्देशन पहले एसएस राजामौली करने वाले थे। खबरों के अनुसार केवी विजयेंद्र प्रसाद चाहते थे कि इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली करें लेकिन वह उस वक्त बाहुबली की शूटिंग कर रहे थे। जिस वजह से एसएस राजामौली ने इस फिल्म का निर्देशन करने से मना कर दिया था। जिसके बाद विजयेंद्र प्रसाद ने इस फिल्म के निर्देशन के लिए कबीर खान से बात की।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
Estd. : 2011
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in